

बारिकीय पर चर्चा की।
अजीत कुमार तिग्मा मुख्य अभियंता ने
पौधों को संतुलित वृक्ष सुनिश्चित करने
के लिए मानिंदर सिस्टम को अपनाने करने
के निर्देश दिए। येवमाल सिद्धा अधीन अभियंता
ने आधारभूत संरचना और साईं का
व्यवस्थापन और मानिंदर सिद्धा। तिग्माचर
अधीन अधिकारी ने तन्कीनी पहलुओं को
पौधों की किस्मों के अनुसार देखावाल के
निर्देश बहार। येवमाल महेश्वर उपा अभियंता ने
येवमाल सिद्धा समूहों के समन्वय और डेटा
प्रबंधन की जानकारी साक्षा की।
मुख्य अभियंता तिग्मा जे। लागत ने स्पष्ट कि
किस योजना के तहत पौधों का रोपण करे सोमिनी
है, बल्कि उद्देश्य है यह बताने की जिम्मेदारी हम
सबकी है। निर्देश स्पष्ट सहायता समूह को
संस्कार करने अभियंता को जन-आंदोलन का
रूप दिया जाएगा।

शाला अमलेश्वर ईश्वर के नाशिक का आराधन होगा, जिसमें वाई क्र. ०८ से १२ के नागरिक अपनी समस्याओं का निराकरण करा सकते हैं।

नगर पंचायत वधवा, पाटन और उईई में भी शिविरो का आयोजन होगा। जिसमें नगर पंचायत वधवा के अंतर्गत ०२ मई २०२६ (शनिवार) को डॉ. भीमराव अंबेडकर मार्गावर भीमेश शिविर लीगा, जिसमें वाई क्र. ०१ से ०५ तक के क्षेत्र शामिल होंगे। इसके बाद ११ मई २०२६ (सोमवार) को बुधवार के मूलत भवन में शिविर आयोजित होगा, जिसमें वाई क्र. ०६, ०७, ०८, ०९ और १० के नागरिक शामिल होंगे। अंत में २२ मई २०२६ (शुक्रवार) को सांस्कृतिक भवन में पारो पारो शिविर होगा, जिसमें वाई क्र. ०९, १०, ११, १२, १३ और १४ के निवासी शामिल हो सकते हैं। नगर पंचायत वधवा के अंतर्गत ०५ मई २०२६ (मंगलवार) को १३ कों कयांल नगर पंचायत वधवा में शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें वाई क्र. ०३, ०८, ०९, ११ और १२ शामिल होंगे। इसके बाद १५ मई २०२६ (शुक्रवार) को वाई क्र. ०४ देवांगन समाज भवन में शिविर लीगा, जिसमें वाई क्र. ०१, ०२, ०४, ०५ और ०६ के नागरिक शामिल होंगे। अंत में २३ मई २०२६ (शनिवार) को वाई क्र. १५ बुधवार बसेर सामुदायिक भवन में शिविर लीगा, जिसमें वाई क्र. ०७, १३, १४ और १५ के नागरिक शामिल होंगे। नगर पंचायत उईई के अंतर्गत सभी शिविर कालान्तर नगर पंचायत उईई परिसर में आयोजित होंगे। फला शिविर ०६ मई २०२६ (बुधवार) को लमेगा, जिसमें वाई क्र. ०१, ०२, ०३, ०४, ०७ और ०८ शामिल होंगे। इसके बाद १६ मई २०२६ (शनिवार) को आराधित शिविर में वाई क्र. १२, १३ और १४ के नागरिक शामिल होंगे। १२ मई २०२६ (शुक्रवार) को वाई क्र. ०९, १०, ११ और १२ के शिविर लीगा और अंत में ०२ जून २०२६ (मंगलवार) को वाई क्र. ०५, ०६ और १० के नागरिकों के लिए शिविर का आयोजन किया जाएगा।

सुशासन तिहार-२०२६ के सफ़्त क्रियान्वयन के लिए अपर कलेक्टर श्रीमती यशिता देवांगन को मुख्य नोडल अधिकारी और डिप्टी कलेक्टर श्री उत्तम चक्र को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। शिविरो के व्यवस्थित संचालन के लिए नोडल अधिकारी को मने, पटल, पंचाल और बंदूक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निदेश दिए गए हैं। प्रत्यक्ष शिविरो पर प्रभेदक तम के तैनात रहेंगी और सुखा को सम्बन्धित पुलिस प्रशासन को सीपी गैर है। निर्बाध विद्युत आपूर्ति और सुवना प्रसार के लिए वार्ड विस्तारक यंत्रों के व्यवस्था के भी निदेश दिए गए हैं। डा. शिविरो को मुख्य उद्देश्य शासन की जनकरीयता योजनाओं का तात्पर्य शिविरो के अंतिम व्यक्ति तक पारदर्शिता के साथ पूर्वाहान है।

दुनिया का ठप ठप पानीवाही है । नगर दारी है कि आम मले । है कि इस समस्या द स्थानी समाधान सुनिश्चित किया जाए । स्थानीय ले ने भी अपनी समस्या बताते हुए क पानी अल्ट बंद होने से उन्हें द रह है, जो इस भीषण गर्मी में और कठिन हो गया है ।

पावर प्लांटों में सुरक्षा पर सख्ती : शून्य दुर्घटना लक्ष्य के साथ काम करने के दिए गए आवश्यक निर्देश

22 पावर प्लांटों के अधिकारियों की बैठक में सुरक्षा मानकों, प्रशिक्षण और इमरजेंसी प्लान की गहन समीक्षा

नई दृष्टिविंदु / रायपुर

राज्य में औद्योगिक दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के उद्देश्य से संचालनालय, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, श्रम विभाग, छत्तीसगढ़ द्वारा नवा रायपुर स्थित इलाहाबादी भवन में पावर प्लांट प्रबंधन के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बुधवार को प्रातः 11 बजे कॉन्फ्रेंस हॉल क्रमांक-2, तृतीय तल में आयोजित इस बैठक में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित 22 पावर प्लांटों के यूनिट हेड एवं सेफ्टी ऑफिसर उपस्थित रहे।

बैठक में विगत वर्षों में घटित औद्योगिक दुर्घटनाओं के कारणों का विश्लेषण करते हुए भविष्य में ऐसी घटनाओं को पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस रणनीति पर चर्चा की गई। इस दौरान कारखानों द्वारा अपनाई जा रही मानक संचालन प्रक्रिया, सुरक्षित कार्य पद्धति, जौहिम प्रबंधन उपायों और कार्यस्थल पर सुरक्षा संस्कृति को मजबूत करने के प्रयासों की विस्तार से समीक्षा की गई।

संचालनालय के अधिकारियों ने विशेष रूप से श्रमिकों को प्रदान किए जाने वाले सुरक्षा प्रशिक्षण,



निर्धारित सुपरविजन, सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता और उनके प्रभावी उपयोग पर जोर दिया। साथ ही प्रत्येक पावर प्लांट में ऑन-साइट इमरजेंसी प्लान की तैयारी, उसकी समय-समय पर

समीक्षा तथा मॉकड्रिल के आयोजन की स्थिति का भी अंकलन किया गया, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

प्रभारी संचालक ने बैठक को संबोधित करते हुए स्पष्ट कहा कि औद्योगिक सुरक्षा के मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी कारखाना प्रबंधन को निर्देशित

किया कि वे निर्धारित सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। निर्देशों की अवलंन करने वाले संस्थानों के विरुद्ध कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

उन्होंने यह भी कहा कि शून्य दुर्घटना केवल एक लक्ष्य नहीं, बल्कि प्रत्येक औद्योगिक इकाई की जिम्मेदारी है। इसके लिए प्रबंधन और श्रमिकों के बीच बेहतर समन्वय, सतत प्रशिक्षण और सुरक्षा के प्रति जागरूकता आवश्यक है। बैठक में यह भी सुझाव दिया गया कि सुरक्षा ऑडिट को नियमित बनाया जाए और संभावित जोखिमों का समय-समय पर समीक्षा के अंत में सभी पावर प्लांट प्रबंधन से अपेक्षा की गई कि वे सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता

देते हुए कार्यस्थल पर सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करें, ताकि श्रमिकों के जीवन की रक्षा के साथ-साथ औद्योगिक उत्पादन भी निर्बाध रूप से जारी रह सके।

खास खबर

चित्रकोट विधायक विनायक गोयल ने स्व-गणना कार्य को किया पूर्ण



नई दृष्टिविंदु / रायपुर

जिले के चित्रकोट विधानसभा क्षेत्र के विधायक विनायक गोयल एवं जनपद पंचायत तोकापाल के उपाध्यक्ष रितेश जौशी ने अपनी स्व-गणना की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कर क्षेत्र में विकास की नींव को मजबूत करने और शासन की सीटीक डेटा प्रणाली में भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण पेश किया है। इस महत्वपूर्ण कार्य के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों और जमीनी स्तर के कर्मियों की सक्रिय सहभागिता रही, जिससे यह प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और सटीकता के साथ पूर्ण हुई। जनप्रतिनिधियों के मार्गदर्शन और इस कार्य में तकनीकी स्पष्टता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तहसीलदार तोकापाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके साथ ही ग्राम धामाऊ के प्राणिक और फौलड ट्रेनर ने गणना के दौरान आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया और डिजिटल माध्यमों से डेटा प्रविष्टि के कार्य में सहयोग किया। विधायक विनायक गोयल ने इस अवसर पर कहा कि स्व-गणना केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह भविष्य की योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन का आधार है। उन्होंने क्षेत्रवासियों को संदेश दिया कि सरकारी जानकारी साझा करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है ताकि शासन की नीतियों का लाभ हर घर तक पहुंच सके। वहीं जनपद पंचायत उपाध्यक्ष रितेश जौशी ने भी प्रशासन को इस कार्य की सराहना की और फौलड स्तर पर कार्य कर रहे कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया। तहसीलदार एवं उनकी टीम द्वारा दिए गए सहयोग की सराहना करते हुए उन्होंने इस कार्य को क्षेत्र के डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में एक अहम कदम बताया।

छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामण्डल मुख्य परीक्षा 2026 का परिणाम हुआ घोषित



रायपुर। छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामण्डल, रायपुर द्वारा आयोजित मुख्य परीक्षा वर्ष 2026 के अंतर्गत कक्षा पूर्व मध्यमा प्रथम वर्ष से उत्तर मध्याह्न द्वितीय वर्ष (कक्षा 9वीं से 12वीं) तक के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा मंत्री मजेंद्र यादव द्वारा वार्षिक परीक्षा परिणाम जारी करते हुए बताया गया कि वर्ष 2026 में कुल 34 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे, जिनमें 1117 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए।

मण्डल का कुल औसत परीक्षा परिणाम 85.22 प्रतिशत रहा। पूर्व मध्यमा द्वितीय (कक्षा 10वीं) में 682 परीक्षार्थियों में से 545 उत्तीर्ण, 45 अनुत्तीर्ण एवं 92 परीक्षार्थी पुरक घोषित हुए, जिसका परिणाम 79.91 प्रतिशत रहा। इसी प्रकार उत्तर मध्यमा द्वितीय वर्ष (कक्षा 12वीं) में कुल 435 परीक्षार्थियों में से 407 उत्तीर्ण, 15 अनुत्तीर्ण एवं 13 पुरक रहे तथा इस कक्षा का परिणाम 93.56 प्रतिशत दर्ज किया गया। इस अवसर पर कोशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग के मंत्री गुरु खुरवंत साहेब एवं छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्या मण्डल तथा शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित थे। परीक्षार्थी अपना विस्तृत परीक्षा परिणाम विभागीय वेबसाइट cgstatesvm.in पर अनुक्रमांक दर्ज कर देख सकते हैं।

हर हाथ को काम, हर श्रमिक को सम्मान : मुख्यमंत्री

अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर विशेष : विष्णु देव सरकार की प्रतिबद्धता – श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन

छगन लोन्हा, उप संचालक जर्नसपेक रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा श्रमिकों एवं उनके परिजनों की बेहतरी के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं के माध्यम से श्रमिकों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए लगातार आर्थिक मदद दी जा रही है। श्रम विभाग के तीनों मंडल-छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कमकार मंडल, छत्तीसगढ़ असंगठित कमकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल एवं छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल के माध्यम से योजनाओं का सफल क्रियान्वयन हो रहा है।

इसी का परिणाम है कि वीते 02 साल 04 माह में श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लगभग 800 करोड़ रूपए डीबीटी के माध्यम से उनके खाते में अंतरित किए जा चुके हैं। इस वर्ष अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना में श्रमिकों के 200 बच्चों को प्रदेश के उत्कृष्ट निजी स्कूलों में दाखिला दिया जाएगा।

मजदूर दिवस दुनिया भर में मनाया जाता है। 1 मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस या श्रमिक दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य मजदूरों के अधिकारों, सामाजिक न्याय और बेहतर कामकाजी परिस्थितियों के लिए संकल्प लेना है। यह दिन श्रमिकों के योगदान को याद करने और उनके संघर्षों को सम्मानित करने के लिए भी मनाया जाता है। यह दिवस वर्ष 1886 में शिकागो के हेमाकैट स्क्वयर में मजदूरों के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा को याद में मनाया जाता है, जहां अनेक श्रमिकों ने 8 घंटे के कार्य दिवस की मांग की थी। सन 1889 में द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय संगठन ने 1 मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के रूप में घोषित किया था। इस दिन को मनाने का



उद्देश्य मजदूरों के अधिकारों की सुनिश्चित करना, सामाजिक न्याय को बढ़ावा देना और बेहतर कामकाजी परिस्थितियों के लिए आवाज बुलंद करना है। भारत में मजदूर दिवस मनाने की शुरुआत 1923 में चेन्नई (मद्रास) से हुई थी। भारतीय संविधान निर्माण सभा के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर ने श्रमिकों के काम का समय 12 घंटे से घटाकर 8 घंटे किया। इसके अलावा उन्होंने महिलाओं को प्रसूति अवकाश की सुविधा उपलब्ध कराई।

मुख्यमंत्री श्री साय का मानना है कि श्रम विभाग एक अत्यंत महत्वपूर्ण विभाग है, जो बड़े पैमाने पर श्रमिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ-साथ औद्योगिक इकाइयों का औचक निरीक्षण भी तकनीक के माध्यम से किया जाए, ताकि श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। राज्य सरकार के इन प्रयासों से छत्तीसगढ़ में श्रमिकों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण को नई दिशा मिल रही है।

प्रदेश के श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन का कहना है कि प्रदेश में विष्णु देव सरकार के सुशासन में अब मजदूर का बच्चा मजदूर नहीं रहेगा। श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों के हितों में अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनमें प्रमुख रूप से मुख्यमंत्री नीतिमाल छात्रवृत्ति योजना, मिनीमाता महारती जनन योजना, मुख्यमंत्री श्रमिक अजीरा फिट योजना, मुख्यमंत्री नौजी बाबू मैथवी शिक्षा प्रोत्साहन योजना, निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु निःशुल्क गणवेश एवं पुस्तक कॉपी हेतु सहायता राशि योजना, निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु उत्कृष्ट खेरा प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना, राहदंड वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना संचालित की जा रही है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच है कि हर हाथ को काम इस दिशा में प्रदेश के वाणिज्य उद्योग एवं श्रम विभाग द्वारा हर सप्ताह प्रयास किए जा रहे हैं। श्रम विभाग के रिले चालू विवरण वर्ष 2026-27 के बजट में 256 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है।

है कि विष्णु देव के सरकार की सोच है कि हर हाथ को काम मिले उसका उन्हें उचित दाम मिले और हर पेट को अन्न मिले वह हमारी सरकार की आदर्श नीति है। इस नीति को क्रियान्वित करने हेतु राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न जिलों में 38 भोजन केन्द्र संचालित है। इस योजना के अंतर्गत श्रमिकों को 5 रूपये में गरम भोजन, दाल चावल, सब्जी, आचार प्रदाय किया जा रहा है, जिसका वित्तार कुल वित्तीय वर्ष 2026-27 में समस्त जिलों में

किया जा रहा है। श्रमिक आवास की राशि प्रति आवास 01 लाख रूपए से बढ़ाकर 1.50 लाख कर दी है। इसी तरह ई-रिश्ता की राशि भी एक लाख से बढ़ाकर 1.50 लाख रूपए की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि भवन एवं अन्य सन्निर्माण कमकार कल्याण मंडल के तहत 5 सितंबर 2008 से अब तक 33 लाख 14 हजार से अधिक श्रमिक पंजीकृत किए जा चुके हैं। मंडल द्वारा 26 योजनाएं संचालित की जा रही हैं तथा 60 श्रमिक वर्ग अधिसूचित हैं। एक प्रतिशत उपकर (सेस) से वर्ष 2025-26 में 315 करोड़ रूपए प्राप्त हुए, जबकि मंडल गटन से अब तक कुल 2,808 करोड़ रूपए का उपकर संग्रहित हुआ है। मार्च 2026 तक 2,558 करोड़ रूपये विभिन्न योजनाओं में व्यय किए जा चुके हैं। औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा हेतु चालू वित्तीय वर्ष में 10 करोड़ रूपए का बजट प्रावधान किया गया है। श्रम विभाग के अंतर्गत कमचारी राज्य बीमा सेवाएं का मुख्य दायित्व श्रमिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों की भी चिकित्सा हित लाभ उपलब्ध कराया जाता है। कमचारी राज्य बीमा सेवाएं के लिए 76 करोड़ 38 लाख रूपए का प्रावधान राज्य सरकार द्वारा किया गया है।



आजीविका, आत्मनिर्भरता और पशुधन विकास का सशक्त मॉडल बन रहा छत्तीसगढ़

नई दृष्टिविंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और पशुपालन आधारित आजीविका को सशक्त करने की दिशा में एक प्रभावी पहल संचालित आई है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत प्रदेश भर में पशु सब्सिडी मॉडल के जरूरत महिलाओं की तकनीकी रूप से दक्ष बनाया जा रहा है, जिससे वे अपने साथ-साथ अन्य ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसी क्रम में बलरामपुर जिले में 30 पशु सखियों के लिए 17 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।



यह प्रशिक्षण ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में संचालित हो रहा है, जहां उन्हें पशुपालन से जुड़ी आयुधन तकनीकों और व्यावहारिक पहलुओं की गहन जानकारी दी

जा रही है। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों द्वारा पशुओं की समुचित देखभाल, संतुलित आहार प्रबंधन, निर्वमिट टीकाकरण, नस्ल सुधार, रोगों की पहचान एवं प्राथमिक उपचार जैसी महत्वपूर्ण जानकारी दी जा रही है। साथ ही पशु चिकित्सालय एवं गौशालाओं के अग्रण के माध्यम से पशु सखियों को जमीनी स्तर पर पशुपालन प्रबंधन की व्यवहारिक समझ विकसित कराई जा रही है।

जिला पंचायत बलरामपुर की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती नमनराज ताम्र ताम्र ने बताया कि पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और पशु सब्सिडी जैसी पहल महिलाओं की आर्थिक रूप से

सशक्त बनाने में मौल का पत्थर साबित हो रही है। उनके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालकों को समय पर मार्गदर्शन और सेवाएं मिलेंगी, जिससे उत्पादन और आय दोनों में वृद्धि होगी।

प्रदेश में इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल महिलाओं की स्वरोजगार के अवसर प्रदान कर रहे हैं, बल्कि स्वास्थ्य स्तर पर रोजगार सृजन, पशुधन स्वास्थ्य सुधार और सतत ग्रामीण विकास को भी गति दे रहे हैं। प्रशिक्षण प्राप्त पशु सखियां अपने-अपने गांवों में पशुपालन सेवाओं की महत्वपूर्ण कड़ी बनकर उभरीं और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ के निर्माण में अहम योगदान देंगी।

धमतरी में स्थापित होगा 500 सीटर सैनिक स्कूल, प्रदेश के युवाओं को मिलेगा सुनहरा अवसर

प्रदेश का सबसे बड़ा सैनिक स्कूल बनेगा धमतरी में, प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय गया, प्रदेश में सैन्य शिक्षा को बढ़ावा

नई दृष्टिविंदु / धमतरी

धमतरी जिले के लिए मौल का विषय है कि यहां 500 सीटों की क्षमता वाला सैनिक स्कूल स्थापित करने का प्रस्ताव राज्य स्तर से अनुमोदित होकर मिनिस्ट्री ऑफ डिफेंस को प्रेषित कर दिया गया है। यह प्रस्ताव स्वीकृति की दिशा में एक महत्वपूर्ण चरण पार कर चुका है और अब केन्द्रीय स्तर पर आगे की प्रक्रिया जारी है। प्रस्तावित सैनिक स्कूल के स्थापित होने पर धमतरी जिले न केवल रायपुर संभाग बल्कि पूरे प्रदेश में एक प्रमुख शैक्षणिक केंद्र के रूप में उभरेगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह सैनिक स्कूल रायपुर संभाग का सबसे बड़ा सैनिक स्कूल होगा, जो आयुधन सुविधाओं एवं उच्च स्तरीय अधीनस्थान से सुसज्जित रहेगा। मिनिस्ट्री ऑफ डिफेंस द्वारा शीघ्र ही संभावित स्थल का निरीक्षण किया जाएगा। निरीक्षण उपरांत उपयुक्त स्थल का चयन कर आगे की औपचारिकताएं पूर्ण की



जाएंगी। यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्माण कार्य प्रारंभ होने की संभावना है।

सैनिक स्कूल की स्थापना से धमतरी जिले सहित आसपास के जिलों के

विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो सकेगी। यहां छात्रों

को अनुशासित वातावरण में शैक्षणिक, शारीरिक एवं नेतृत्व क्षमता के समग्र विकास का अवसर मिलेगा। यह संस्थान विशेष रूप से उन विद्यार्थियों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा जो भारतीय सशस्त्र बलों में करियर बनाने की च्छा रखते हैं। सैनिक स्कूलों के माध्यम से छात्रों की राष्ट्रीय रक्षा आकादमी एवं अन्य प्रतिष्ठित रक्षा संस्थानों में प्रवेश हेतु सुदृढ़ आधार मिलता है।

इस पहल से क्षेत्रीय स्तर पर शिक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाएं विकसित होंगी। साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे, जिससे जिले के समग्र सामाजिक एवं आर्थिक विकास को गति मिलेगी। विद्यालय परिसर में आधुनिक कक्षाएं, खेल सुविधाएं, छात्रावास, पुस्तकालय एवं प्रशिक्षण केंद्र विकसित किए जाएंगे, जो विद्यार्थियों को उत्कृष्ट वातावरण प्रदान करेंगे।

कलेक्टर अविनाश मिश्रा ने कहा कि धमतरी में 500 सीटर सैनिक स्कूल की

स्थापना जिले के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि सिद्ध होगी। उन्होंने बताया कि राज्य स्तर से प्रस्ताव स्वीकृत होकर रक्षा मंत्रालय को प्रेषित किया जाना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति है। जिला प्रशासन इस परियोजना को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित कर रहा है, ताकि मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि यह संस्थान न केवल गुणवत्तापूर्ण एवं अनुशासित शिक्षा प्रदान करेगा, बल्कि युवाओं में राष्ट्र सेवा की भावना को भी सुदृढ़ करेगा। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया कि सैनिक स्कूल की स्थापना से धमतरी जिला शिक्षा के क्षेत्र में एक नए केंद्र के रूप में उभरेगा और यहां के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सशक्त मंच प्राप्त होगा।

उन्होंने आगे कहा कि इस परियोजना

से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे और जिले के समग्र विकास को नई गति मिलेगी। जिला प्रशासन सभी संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाकर इस महत्वाकांक्षी परियोजना को शीघ्र धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है।

जिला प्रशासन द्वारा इस परियोजना को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। संबंधित विभागों के समन्वय से भूमि चयन, आवश्यक अधीनस्थान एवं अन्य व्यवस्थाओं पर कार्य किया जा रहा है, ताकि निरीक्षण प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण हो सके।

धमतरी में सैनिक स्कूल की स्थापना न केवल शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि होगी, बल्कि यह प्रदेश के युवाओं को राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करने वाला एक सशक्त मंच भी सिद्ध होगा। यह पहल आगे वाले समय में जिले की पहचान को नई ऊंचाई पर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

संपादकीय

अदालत ने गैद केजरीवाल के पाले में डाल दी

केजरीवाल देश में एक ऐसे नेता हैं जो वह काम करते हैं जो काम कोई नेता करने की सोचता नहीं है। कोई नेता किसी जग या अदालत के साथ राजनीति करने से डरता है लेकिन केजरीवाल ऐसे नेता हैं जो अदालत व जज के साथ राजनीति करने से नहीं डरते हैं। आखिरी घोटाले में केजरीवाल का पहला दांव जज को हटाने का फेल हो गया है तो उन्होंने अब दूसरा दांव चल दिया है कि वह न खुद अदालत में पेश होंगे और न ही उनकी तरफ से अदालत में कोई वकील पेश होगा। वह इसे संस्यग्रह का नाम दे रहे हैं और जनता को बताने का प्रयास कर रहे हैं कि अदालत उनके साथ अन्याय कर रही है और वह अदालत के किए जा रहे अन्याय के विरोध में संस्यग्रह कर रहे हैं। यानी वह एक तरह से अदालत का बहिष्कार कर रहे हैं और चुनौती दे रहे हैं कि मैं अदालत नहीं जाऊंगा तो अदालत को जो करना है कर ले। ऐसा करके केजरीवाल व सिसोदिया ने गैद अदालत के पाले में डाल दी थी।

आबकारी घोटाले मामले में केजरीवाल व सिसोदिया ने भले ही सुनवाई से खुद को अलग कर लिया हो लेकिन दिल्ली हाईकोर्ट ने आप नेताओं सहित अन्य प्रतिवादियों को अपना जवाब दाखिल करने के लिए सुनवाई को एक और मौका दिया है। सीबीआई की अपील याचिका पर न्याय मूर्ति स्वर्णकांत शर्मा की पीठ ने कहा है कि आप नेताओं सहित सभी प्रतिवादियों ने अब भी जवाब दाखिल नहीं किया है। ऐसे में सभी प्रतिवादियों को शनिवार तक जवाब दाखिल करने का आखिरी मौका दिया जा रहा है। इसीलिए अदालत ने सुनवाई को कामले से जुड़े सभी रिकाइड पेश करने का निर्देश दिया है। ऐसा करके अदालत ने केजरीवाल व सिसोदिया के पाले में गैद डाल दी है। केजरीवाल ने उनका मामला खारिज हो जाने पर जैसा राजनीति में करते हैं वैसा ही अब भी किया है उन्होंने जज के नाम पत्र लिखा और उसे सार्वजनिक भी कर दिया और जनता को बताने की कोशिश की कि अब वह भी महात्मा गांधी की तरह अंतरात्मा की आवाज सुनकर संस्यग्रह करने का फैसला किया है। यानी अब वह कानूनी लड़ाई नहीं लड़ेंगे वह नैतिक व वैचारिक विरोध का रास्ता अपनाएंगे। इनका वह कदम न्याय व्यवस्था के खिलाफ नहीं है बल्कि अपने सिद्धान्तों के समर्थन में है और वह अपने इस फैसले को जो भी नतीजा होगा वह भुगवने को तैयार हैं।

केजरीवाल क्या कर रहे हैं, इसे केजरीवाल जितने अच्छे से समझ रहे हैं, उसे अदालत व जज भी समझ रहे हैं कि केजरीवाल उनके सामने यह चुनौती पेश कर रहे हैं कि अदालत को कोई भी कार्रवाई तब ही ठीक समझी और मानी जाती है जब अदालत दोनों पक्षों को दलीलें सुनती है, पेश किए सबूत को देखती है और उसके बाद ही अदालत कोई फैसला करती है। कोई भी अदालत किसी पक्ष को सुने बगैर कोई फैसला नहीं दे सकती। इस बात को केजरीवाल भी समझ रहे हैं और अदालत भी समझ रही है। यही वजह है कि अदालत ने केजरीवाल सहित सभी प्रतिवादियों को आज तक अदालत में कोई जवाब दाखिल नहीं करने पर आखिरी मौका शनिवार तक जवाब दाखिल करने को दिया है। इससे अदालत पर यह आरोप कोई नहीं लगा पाएगा कि अदालत ने उनका पक्ष सुने बगैर कोई फैसला कर दिया।

अदालत केजरीवाल सहित सभी प्रतिवादियों को आखिरी मौका दे दिया है यानी गैद केजरीवाल के पाले में डाल दी है और अब भी अगर वह शनिवार को कोई जवाब दाखिल नहीं करते हैं तो अदालत जो कार्रवाई कर सकती है वह करेगी। कानून के जवाबदार लोगों के मुनाफिके द्वारा कोर्ट के आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील दाखल करने पर जब संबंधित अदालत प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगती है तो उनका कोर्ट के समक्ष स्वयं या वकील के माध्यम से पेश होना अनिवार्य होता है। कार्रवाई का बहिष्कार करने की नीतिय है अदालत संबंधित प्रतिवादियों के खिलाफ कानून के तहत पहले जमानती व बाद में गैरजमानती वारंट जारी कर सकती है। इसके अलावा नोटिस जारी होने के बाद मामले में अदालत या तो केजरीवाल को तफर से भिन्न जगह सुने एक पक्षीय निर्णय परित कर सकती है या फिर प्रतिवादी को तरफ से जिरफ पेश करने के लिए न्याय भित्र विनय कर सकती है।

हमारे देश में न्यायाधीश को राजनीतिक दृष्टि से देखने की प्रवृत्ति को ठीक नहीं माना जाता है। केजरीवाल यही कर रहे हैं। उनका तर्क यही है कि जज सच के कायंक्रम में गई इसलिए उनका वैचारिक जुड़ाव सच के साथ है और इसलिए वह उनसे सच न्याय नहीं कर सकते। इसलिए उनके घर मामले हट जाना चाहिए। जज ने हटने से मना कर दिया तो केजरीवाल न्यायाधीश को उठती नजर से देख रहे हैं जिस नजर से वह सच को देखते हैं। इसी बात से यह है कि राजनीतिक मुद्दे पर संस्यग्रह सड़क व संघर्ष में होना चाहिए, अदालत में नहीं लेकिन केजरीवाल तो केजरीवाल है वह बिस्मट्ट काई खेलने के लिए कुछ भी कर सकते हैं और जनता के बीच जाकर कह सकते हैं। वह तो उनके साथ ही रहे अन्याय का विरोध कर रहे हैं। वह अदालत का बहिष्कार कर रहे हैं, अदालत को जो करना है करे वह भुगवने को तैयार हैं।

बगिया के विष्णु का विकास विजन- सुशासन से जन-जन तक पहुंचती सरकार

डबल इंजन की रफ्तार, योजनाओं की बौछार- किसान, आदिवासी, महिला और युवा बने केंद्र में

एत.डी.मानिकपुरी, सहायक जनसंपर्क अधिकारी, कोरिया

छत्तीसगढ़ में बीते लगभग द्वाइं वर्षों में शासन की कार्यशैली को लेकर एक नई परिभाषा गढ़ने की कोशिश दिखाई देती है। विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने 'सुशासन' को केवल एक नारा नहीं, बल्कि जमीनी क्रियान्वयन का आधार बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। सीमित समयावधि करीब 2 वर्ष 4 माह 17 दिन में ही सरकार ने विकास का जो खाका तैयार किया है, उसे भविष्य की बढ़ी तस्वीर के रूप में देखा जा रहा है।

प्रदेश को पहचान खान का कटोरा के रूप में रही है, लेकिन इस पहचान को सम्मान देने का काम हालिया नीतिगत निर्णयों में स्पष्ट दिखाता है। किसानों से प्रति एकड़ 21 किलो धान की खरीदी और 3100 रुपये प्रति किलो की दर तय करना केवल आर्थिक निर्णय नहीं, बल्कि अन्नदाताओं के आत्मविश्वास को मजबूत करने की पहल भी है। इसके साथ ही, तैपुपता संग्रहालय को जिन्हें हरा सोना से जुड़ा श्रमिक वर्ग कहा जाता है, के लिए पारिश्रमिक दर को 5500 रुपये करना और चरण पादुका वितरण जैसे निर्णयों ने आदिवासी क्षेत्रों में राहत पहुंचाई है।

मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते ही लगभग 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति



देना सरकार की प्राथमिकताओं को दर्शाता है। बेसर और जरूरतमंद परिवारों को छत उपलब्ध कराना सुशासन की पहली सीढ़ी के रूप में देखा गया। राज्य सरकार ने 70 लाख से अधिक विवाहित महिलाओं के खालों में प्रतिमाह 1000 रुपये की सहायता राशि देने की पहल की। यह राशि भले सीमित लगे, लेकिन ग्रामीण और जरूरतमंद परिवारों के लिए यह आर्थिक संवल का काम कर रही है। यह कदम महिलाओं की सामाजिक और

आर्थिक भागीदारी को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। लंबे समय तक नक्सलवाद से प्रभावित रहे बस्तर क्षेत्र में शांति स्थापित करने की दिशा में केंद्र और राज्य के संयुक्त प्रयासों ने असर दिखाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह की रणनीति और संकल्प के साथ 31 मार्च 2026 तक नक्सलमुक्ति के लक्ष्य एक बड़े बदलाव का संकेत देता है। इससे विकास कार्यों की गति मिलने की

उम्मीद बढ़ी है। विष्णु देव साय सरकार ने युवाओं के लिए पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 'छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग' से जुड़े मामलों में जांच कराना सरकार के जवाबदाई वाले दृष्टिकोण को दर्शाता है। साथ ही, खेल गतिविधियों विशेषकर बस्तर व सरगुजा ओलंपिक जैसे आयोजनों के माध्यम से स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया गया है।

विगत वर्ष आयोजित सुशासन तिहार को इस वर्ष भी 1 मई से 10 जून तक आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य योजनाओं की जमीनी हकीकत को उभारना, नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना और प्रशासन को सीधे जनता से जोड़ना है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य के समन्वय को 'डबल इंजन सरकार' के रूप में परबुत किया जा रहा है। राज्य सरकार का मानना है कि इस समन्वय से विकास योजनाओं को गति मिलेगी है और इसका लाभ प्रदेश के लगभग तीन करोड़ नागरिकों तक पहुंच रहा है।

बगिया के विष्णु के रूप में पहचाने जाने वाले मुख्यमंत्री साय ने प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों ईब से इंद्रावती तक विकास का जो रोडमैप तैयार किया है, वह समावेशी विकास की अवधारणा को दर्शाता है। लक्ष्य स्पष्ट है, अंतिम छोर के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना।

छाीसगढ़ में सुशासन की यह यात्रा अभी 'प्रारंभिक चरण' में है, लेकिन दिशा स्पष्ट दिखाई देती है। सरकार की प्राथमिकताओं में किसान, महिला, आदिवासी, युवा और ग्रामीण समाज केंद्र में हैं। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि ये नीतियां किस तरह स्थानीय बदलाव का रूप लेती हैं, लेकिन फिलहाल इतना तब है कि विकास की यह कहानी गति पकड़ चुकी है।

नए भारत का नया बस्तर: संघर्ष की छाया से निकलकर पर्यटन के उजाले की ओर



दीपक कुमार यादव, पीआरओ, पर्यटन विभाग, छत्तीसगढ़

बस्तर, छत्तीसगढ़ का वह अंचल जो कभी नक्सल प्रभाव और चुनौतियों के कारण सुविधों में रहा, आज तेजी से अपनी नई पहचान गढ़ रहा है। प्राकृतिक सौंदर्य, जनजातों की संस्कृति और सामुदायिक सहभागिता के साथ-साथ राज्य सरकार की दूरदर्शी नीतियों ने इस क्षेत्र को पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में पर्यटन को विकास के प्रमुख आधार के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसका सकारात्मक प्रभाव बस्तर में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

साय सरकार ने दिया पर्यटन को उद्योग का दर्जा

साय सरकार द्वारा पर्यटन को उद्योग का दर्जा देने के निर्णय ने बस्तर सहित पूरे

छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं को नया आयाम दिया है। इससे न केवल पर्यटन अघोषित क्षेत्र का तेजी से विकास हो रहा है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्व-रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे हैं। छाीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा बस्तर क्षेत्र में पर्यटन स्थलों के विकास, सुविधाओं के विस्तार और प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है।



बस्तर बना एक अनूठा सांस्कृतिक पर्यटन केंद्र

प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण बस्तर में घने जंगल, मनोहारी झरने, विस्तृत पहाड़ियां, शांत नदियां और समृद्ध जैव विविधता पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। इसके साथ ही यहां की जनजाति संस्कृति, लोकनृत्य, पारंपरिक वाद्य यंत्र और विविध उत्सव बस्तर को एक अनूठा सांस्कृतिक केंद्र बनाते हैं। धुडुमारास और मांडौलीली जैसे गांवों में पर्यटक न केवल प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेते हैं, बल्कि स्थानीय जीवनशैली, परंपराओं और लोक संस्कृति से भी रूबरू होते हैं।

पर्यटन के इस विकास में स्थानीय ग्रामीणों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। जिन क्षेत्रों में कभी भय और असुरक्षा का वातावरण था, वहीं अब ग्रामीणों ने श्रमदान और आपसी सहयोग से पर्यटन स्थलों का विकास कर एक नई दिशा दी है। उभयचर



नाले जैसे स्थानों को ग्रामीणों ने स्वयं विकसित कर पिकनिक स्पॉट और पर्यटन स्थल के रूप में परिवर्तित किया है। यह सामूहिक प्रयास इस बात का प्रमाण है कि जब समुदाय और शासन साथ मिलकर कार्य करते हैं, तो परिवर्तन निश्चित होता है।

युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में बस्तर क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। होम-स्टे योजना, स्थानीय गाइड प्रशिक्षण, हस्तशिल्प को प्रोत्साहन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन और पर्यटन स्थलों का सौंदर्यीकरण जैसे प्रयासों से क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन आया है। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं और वे अपनी पारंपरिक कला एवं संस्कृति को भी आगे बढ़ा रहे हैं।

बुनियादी सुविधाओं का विस्तार

साय सरकार द्वारा छौं-दूरीज, एडवेंचर

टूरिज्म, जल पर्यटन और ग्रामीण पर्यटन को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। बस्तर में इन सभी क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से कार्य हो रहा है, जिससे यह क्षेत्र वातावरणी पर्यटन गंत्य के रूप में विकसित हो रहा है। बेहतर सड़क संरचना, बुनियादी सुविधाओं का विस्तार, सुरक्षा व्यवस्था में सुधार और डिजिटल प्रचार-प्रसार ने भी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि की है।

बस्तर की पहचान एक उभरते पर्यटन के रूप में

आज बस्तर केवल अपने अतीत की चुनौतियों के लिए नहीं, बल्कि अपनी नई पहचान एक उभरते पर्यटन हब के रूप में स्थापित करता जा रहा है। यह परिवर्तन न केवल विकास की कहानी है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि सही नीतियों, मजबूत नेतृत्व और स्थानीय सहभागिता से किसी भी क्षेत्र की तस्वीर बदली जा सकती है। बस्तर का यह नया स्वरूप न केवल छाीसगढ़ बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणादायी उदाहरण बनकर उभर रहा है।

नन्हें कदम गढ़ें सशक्त भारत का भविष्य-आंगनबाड़ी केंद्रों का नया रूप, नई दिशा

डॉ. दानेश्वरी संभारकर, उप संचालक (जनसंपर्क)

देश का भविष्य निम्न नन्हें कदमों से आगे बढ़ता है, वे आज आंगनबाड़ी केंद्रों में नई ऊर्जा, आत्मनिर्भरता और मुक्तिकार की साथ संवर रहे हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों की केवल पोषण और देखभाल तक सीमित माने जाते थे, वे अब प्रारंभिक शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक जागरूकता और ग्रामीण रोजगार के समन्वित मॉडल के रूप में विकसित हो चुके हैं। छाीसगढ़ के जसपुर, सूरजपुर, रायगढ़, महामुंद, भमतरी, मुंतीली और नारायणपुर जैसे जिलों में दिख रहा यह सकारात्मक बदलाव अब राष्ट्रीय स्तर पर प्रेरणास्रोत बन रहा है।

भवन ही बन गया शिक्षक - 'बिल्डिंग एज लर्निंग एड- की अभिन्न पहल

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) और महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वय से निर्मित आधुनिक आंगनबाड़ी भवनों ने शिक्षकों के सामने के रूप में भवन की अवधारणा को सकार रूप दिया है। लगभग 11.69 लाख रुपये की लागत से बने इन भवनों में टीचर, फर्न, सीटिंग और खुले स्थानों को शिक्षण सामग्री के रूप में विकसित किया गया है। इन-रिमेंस विचारकों के माध्यम से बच्चों को हिंदी-अंग्रेजी वर्णमाला, अक्षर, आकृतियां, दिशाएं, जल-जंतु और स्थानीय प्रजातियों की जानकारी सहजता से मिल रही है। अब हर दीवार बोलती है, हर कोना शिक्षाता है। आंगनबाड़ी स्वयं एक जीवंत पाठशाला बन गई है।

धमती का 'बाला मॉडल' सीखने का नया अनुभव

धमती जिले में बाला मॉडल ने प्रारंभिक बाल शिक्षा को रोचक और प्रभावी बनाने की दिशा



में उल्लेखनीय उद्वेगण प्रस्तुत किया है। मनरेगा, आईसीडीएस और 15वीं वित्त आयोग के सहयोग से 81 आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण का कार्य प्रारंभ हुआ, जिनमें से 51 पूर्ण हो चुके हैं। ग्राम उड़ना का केंद्र इस बदलाव की जीवंत तस्वीर है, जहाँ विशेष फिडुली जनजाति का कार्य के बच्चे खेल-खेल में सीख रहे हैं। दीवारों पर स्थानीय संस्कृति, गतिशील अवधारणाएं और माता-पिता, फर्श पर रंग और आकार तथा सड़ियों पर गिनती जैसे नवाचार बच्चों में जिज्ञासा और सीखने की रुचि को बढ़ा रहे हैं।

शिक्षा के साथ रोजगार का मजबूत आधार

मनरेगा के तहत आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण ने दोहरा लाभ दिया है। एक ओर गुणवत्तापूर्ण आधारभूत ढांचा विकसित हुई है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीणों को रोजगार के अवसर मिले हैं। इससे परिवारों की आय में वृद्धि हुई है और

ग्रामीणों के पलायन में कमी आई है। इस प्रकार आंगनबाड़ी केवल बच्चों के विकास का केंद्र नहीं, बल्कि ग्रामीण अव्यवस्था को मजबूती देने का माध्यम भी बन गया है। खेल-खेल में सीखता बचपन, खिलखिलता माहौल

महामुंद के शहरी क्षेत्रों से लेकर नारायणपुर के दूरस्थ वनांचल तक, आंगनबाड़ी केंद्रों में नया वातावरण साफ दिखाई देता है। आकर्षक दीवारें, शैक्षणिक चार्ट, कविताएं और खेल सामग्री ने इन्हें आधुनिक स्तर-स्कूल जैसा दे दिया है। बच्चे अब उत्साह के साथ कद आते हैं और भाषा, गणित व व्यवहारिक ज्ञान को आनंदपूर्वक सीखते हैं।

पोषण, स्वास्थ्य और सामाजिक जागरूकता का केंद्र

आंगनबाड़ी केंद्र अब बच्चों के साथ-साथ

गर्भवती महिलाओं, धानो माताओं और किशोरियों के लिए भी महत्वपूर्ण केंद्र बन चुके हैं। यहाँ पोषण, पूरक पोषण आहार टीकाकरण, स्वास्थ्य परीक्षण और परामर्श सेवाएं नियमित रूप से उपलब्ध कराई जा रही हैं। दीवारों पर लिखे संदेश जितनी बेहतर रचना रखें, उतना स्वस्थ बच्चा और लड़का-लड़की को लक्ष्य के सार्थक परिवर्तन का संदेश भी दे रही हैं।

कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन

आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना, मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना, युक्त्या समृद्धि योजना, नौसे योजना योजना और महतारी वंदन योजना जैसी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो रहा है। इससे माताओं और बालिकाओं को सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा मिल रही है।

स्वच्छता, सुरक्षा और जनभागीदारी

आरओ जल, स्वच्छ रसोई, सुरक्षित खेलघर और नियमित साफ-सफाई ने केंद्रों की सफाई अनुकूल बनाया है। महतारी समितियों को बाल-भागीदारी से बच्चों की उपस्थिति और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

सशक्त भारत की मजबूत नींव

आंगनबाड़ी केंद्रों का यह परिवर्तन राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय अभियान के लक्ष्यों की जमीनी स्तर पर साकार कर रहा है। 11.69 लाख रुपये की लागत से निर्मित परियोजनाएं अब बच्चों के सर्वांगीण विकास, महिलाओं के सशक्तिकरण और ग्रामीण रोजगार का समन्वित मॉडल बन चुकी हैं। आज आंगनबाड़ी केंद्र बस्तर में बच्चों की पहली पाठशाला बन गए हैं, जहाँ शिक्षा, पोषण, सुरक्षा और रोजगार मिलकर एक सशक्त, समावेशी और विकसित भारत की नींव रख रहे हैं।

सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन की बन रही नई पहचान

डॉ. दानेश्वरी संभारकर, उप संचालक जनसंपर्क

छत्तीसगढ़ में आर्थिक और सामाजिक सशक्त हो रही महिला श्रमिक

हर वर्ष 1 मई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस श्रमिकों के योगदान को सम्मान देने का अवसर है। छाीसगढ़ में यह दिवस इसलिए भी खास है, क्योंकि यहां की अर्थव्यवस्था में महिला श्रमिकों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है और उनकी योगदान पहले से अधिक प्रभावी होता जा रहा है।

राज्य के ग्रामीण अंचलों में महिलाएं लंबे समय से कृषि कार्य, वनोपज संग्रहण, तैपुपता तोड़ने और हस्तशिल्प जैसे कार्यों में सक्रिय रही हैं, वहीं शहरी क्षेत्रों में उनकी उपस्थिति निर्माण कार्य, घरेलू सेवाओं और लघु व्यवसायों में तेजी से बढ़ी है। यह बदलाव केवल रोजगार तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं की सामाजिक पहचान और आत्मनिर्भरता को भी नई मजबूती दे रहा है। इसके बावजूद यह भी सच है कि असांठित क्षेत्र में काम करने वाली महिला श्रमिकों को लंबे समय तक उचित वेतन, सुरक्षा कार्यस्थल और सामाजिक सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित रहना पड़ा। वेतन असमानता, सीमित स्वास्थ्य सुविधाएं, मातृत्व लाभ की कमी और पारंपरिक सोच जैसी बाधाएं उनके सामने बनी हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए महिला श्रमिकों के सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है। महतारी समितियों के जरिए असांठित क्षेत्र की महिलाओं के लिए न्यूनतम मजदूरी सुनिश्चित करने और कार्यस्थल पर सुरक्षा मामलों को लागू करने की दिशा में ठोस पहल की गई है। महिला शक्ति केंद्रों को केवल सहायता केंद्र नहीं, बल्कि परामर्श, कानूनी सहायता और रोजगार मार्गदर्शन के प्रभावी माध्यम के रूप में विकसित किया गया है। वहीं सखी वन स्टॉप सेंटर के जरिए हिरा से प्रभावित महिलाओं को त्वरित सहायता और पुनर्वास की सुविधा मिल रही है। राज्य में संचालित विभिन्न योजनाओं महित श्रमिकों के जीवन में सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार तैयार कर रहे हैं। मिनीताना महतारी जनन योजना के तहत पंजीकृत महिला निर्माण श्रमिकों की प्रसूति के बाद 20 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है, जिससे आर्थिक दबाव कम होता है। मुख्यमंत्री रिसाईड आराम एक सशक्त, समावेशी और विकसित भारत की नींव रख रहे हैं।



को बढ़ने के लिए प्रोत्साहित कर रही है, जबकि निर्माण मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना कार्यस्थल पर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करती है।

महतारी वंदन योजना के अंतर्गत महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है, जिससे उनकी वित्तीय स्थिति मजबूत हो रही है। दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना के तहत 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग की पंजीकृत महिला श्रमिकों को, जिनका कम से कम तीन वर्षों का पंजीकरण है, एक लाख रुपये तक की सहायता देकर उन्हे स्वरोजगार से जोड़ा जा रहा है।

इसके साथ ही राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे महिलाओं को आव के साधन मिलने के साथ-साथ नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर भी मिल रहा है। राज्य सरकार के कोशल विद्यया कार्यक्रम महिला श्रमिकों को प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़े रहे हैं। फोल्ड कान्फार्म, टेका श्रमिकों और हमाल परिवारों के लिए विविध योजनाएं चलाई जा रही हैं, जबकि सशम योजना के जरिए शोध, प्रत्येका और तालाकशुदा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया जा रहा है।

नहीं रही, बल्कि विकास की सक्रिय भागीदार बन चुकी हैं। उनकी भूमिका अब सहायक तक सीमित नहीं, बल्कि निर्णय लेने तक पहुंच रही है। योजनाओं की बढ़ती पहुंच और जागरूकता के कारण उनका भीतर आत्मविश्वास बढ़ रहा है, जिससे समाज में उनका सम्मान भी लगातार बढ़ रहा है। छाीसगढ़ में महिला श्रमिकों के लिए किए जा रहे प्रयास यह स्पष्ट करते हैं कि संवेदनशील नीतियों और प्रभावी क्रियान्वयन के जरिए सकारात्मक बदलाव संभव है। धुरक्षा, सम्मान और रोजगार के अवसरों के साथ महिला श्रमिकों आज राज्य के विकास की मजबूत आधारशिला बन रही हैं। यह परिवर्तन केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और सशक्तिकरण का भी प्रतीक बनकर उभर रहा है।



बॉलीवुड में खुद को अच्छा एक्टर बताने के लिए देने होते हैं पैसे

निर्माता-निर्देशक करण जोहर ने हाल ही में अपने लोकप्रिय टीवी शो 'कांकी विद करण' के नए सीजन की घोषणा की। इससे शो के फैंस काफी उत्साहित हैं। अब निर्माता ने इंस्ट्रुटी में होने वाले पेड़ पीआर को लेकर बात की। उन्होंने पेड़ पीआर क्लब को बंद करने की बात कहते हुए कहा कि बॉलीवुड को अपने काम को ही बोलने देना चाहिए और प्रचार-प्रसार कम करना चाहिए।

हाल ही में एक चर्चा में करण जोहर शामिल हुए। यहां एक कंटेस्टेंट को पीआर करना बंद कर देना चाहिए। यह कहीं बेहतर होगा। उन्हें अपनी उपलब्धियों को खुद बोलने देना चाहिए क्योंकि दुर्भाग्य से आजकल सारा पीआर पेड़ पीआर ही है। इसलिए अगर आप यह कहना चाहते हैं कि आप खुबसूरत दिख रहे हैं, तो आपको पैसे देने होंगे।

अगर आपको यह कहना है कि आप घरती पर सबसे अच्छे अभिनेता हैं, तो आपको पैसे देने होंगे। मुझे लगता है कि पीआर के मामले में हम हद से ज्यादा सक्रिय हैं। इसलिए, वे मेथड मार्केटिंग कर रहे हैं या नहीं, यह मायने नहीं रखता। उन्हें खुद की मार्केटिंग करना बंद कर देना चाहिए और अपने काम को बोलने देना चाहिए।

यहां हर चीज पैसे देकर मिलती है इस दौरान करण ने यह भी स्पष्ट किया कि उनका निशाना कोई खास कलाकार नहीं था, बल्कि वे आम चलन की बात कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि मेरा मतलब उन लोगों से नहीं है, जिनके बारे में आप बात कर रहे हैं। मेरा मतलब आम तौर पर सभी से है। पीआर और मार्केटिंग काम की महत्वपूर्ण फैटर्स हैं और इन्हें उसी के हिसाब किया जाना चाहिए। किन अर्थ हर चीज पैसे देकर मिलती है और यह बात बेहद परेशान करने वाली हो सकती है। क्योंकि तब आप यह अंदरूनी नहीं लगा सकते कि क्या लोगों को पसंद आ रहा है और क्या नहीं। अब आप हर चीज को इस नजरिए से देखते हैं, 'क्या लोग सब मैं इसे पसंद कर रहे हैं या उन्हें पसंद करने के लिए पैसे दिए गए हैं?'



फिर साथ आ रही सिंगर मिथुन और मोहित सूरि की जोड़ी!

बॉलीवुड की शानदार जोड़ी मशहूर म्यूजिक डायरेक्टर मिथुन, डायरेक्टर मोहित सूरि एक बार फिर साथ आने वाले हैं। मोहित सूरि अपनी ब्लॉकबस्टर सैयारा के बाद एक बार फिर अपनी अहान पांडे और अनित पट्टा की फिल्म पर काम कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म अहान पांडे और अनित पट्टा की अपकॉमिंग लव स्टोरी है, जिसमें इमोशनल और म्यूजिक दोनों का खास तड़का होगा। 'सैयारा' की सफलता के बाद यह टीम फिर से साथ आई है। इस नई फिल्म को भी एक इमोशनल और म्यूजिकल लव स्टोरी के तौर पर तैयार किया जा रहा है, जिसमें गानों का काफी अहम रोल होगा।

हिट है मोहित और मिथुन की जोड़ी

खास बात यह है कि मिथुन पहले भी मोहित सूरि के साथ कई हिट गाने दे चुके हैं, और उनकी जोड़ी को म्यूजिक और रोमांस के लिए काफी पसंद किया जाता है। फिल्म को यश राज फिल्म्स प्रोड्यूसर कर रहा है, जो इस नई जोड़ी को बड़े स्तर पर पेश करने की तैयारी में है। सीधी बात करे तो, अगर आप दिल छू लेने वाली लव स्टोरी और शानदार म्यूजिक पसंद करते हैं, तो यह फिल्म आपके लिए खास होने वाली है।



चित्रांगदा ने सलमान खान के ऑन सेट व्यवहार का किया खुलासा; झूठी अफवाहों को किया खारिज

सलमान खान की आगामी फिल्म 'मातृभूमि' की रिलीज फिलहाल टल गई है। इसी वजह से फिल्म कई दिनों से चर्चाओं में बनी हुई है। लेकिन फिल्म के टॉपिक को देखते हुए इसे स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज करने की खबरें सामने आ रही हैं। अब एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह ने सलमान खान को लेकर कुछ बड़े खुलासे किए हैं। जानिए उन्होंने क्या कहा।

सलमान के साथ काम करने के अनुभव को किया शेयर

सलमान के साथ काम करने को लेकर चित्रांगदा ने कहा, 'फिल्म बहुत मेहनत से बनाई है, दिल से बनाई है। लोग सलमान के बारे में बहुत बातें करते हैं कि वो ऐसे हैं, वैसे ही। मुझे भी इस बारे में काफी अफवाहें मिली थीं। जैसे मुझे उन सब चीजों के लिए तैयार रहना होगा अगर सलमान समय पर न आए या शूटिंग का शेड्यूल बद जाए।'

वो बहुत ही सहज और मिलनसार इंसान हैं

उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन असल में ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। मैंने पहले से ही खुद को तैयार कर लिया था क्योंकि इतने लोगों से ये अफवाहें सुनी थी कि वो अनप्रोफेशनल हैं... लेकिन इसमें बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है। वो बहुत ही सहज और मिलनसार इंसान हैं। उनकी एक खास बात है कि वो सेट पर सबसे कम नजर आने वाले इंसान



का भी खयाल रखते हैं, चाहे वो लाइटमैन हो या चौथा एडी। वो पूछते हैं कि उन्होंने ब्रेक लिया या नहीं, समय पर खाना खाया या नहीं, उनके साथ कैसा व्यवहार हो रहा है। इतने साल इंस्ट्रुटी में काम करने के बाद भी उनमें ये चिंता होना वाकई कमाल की बात है।'

कब रिलीज होगी फिल्म?

सलमान खान की फिल्म 'मातृभूमि' में वॉर रेस्ट इन पीस' कथित तौर पर 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने की संभावना है। यह फिल्म स्वतंत्रता दिवस के आसपास रिलीज होगी। पहले यह फिल्म 17 अप्रैल 2026 को आने वाली थी, लेकिन अब इसकी तारीख आगे बढ़ा दी गई है। फिल्म में उनके साथ चित्रांगदा भी नजर आएंगी।

आशिकी 2' के री-रिलीज पर क्या बोलीं श्रद्धा कपूर?

फिल्म 'आशिकी 2' 2013 में रिलीज हुई थी। फिल्म में आदित्य रॉय कपूर और श्रद्धा कपूर लीड रोल में नजर आए थे। ऑन स्क्रीन इस जोड़ी को लोगों से काफी प्यार मिला था, और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई थी। अब श्रद्धा का एक पुराना वीडियो फिर से चर्चाओं में आ गया है, जिसमें वे इस फिल्म के री-रिलीज का जिक्र करती नजर आ रही हैं। फैंस ने की फिल्म की री-रिलीज की डिमांड बॉलीवुड फैंस के बीच एक बार फिर नॉटरेल्लिया की लहर दौड़ पड़ी है, और इस बार वजह बनी है एक ऐसी लव स्टोरी, जिसने लोग आज भी नहीं भुले हैं, वो है 'आशिकी 2'। दरअसल, श्रद्धा कपूर का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर फिर से वायरल हो रहा है, जिसमें फैंस के बीच नई चर्चा छेड़ दी है। यह वीडियो उनके एक पुराने इंस्टाग्राम 'आरकम भी पनीशिंग' पोस्ट का है, जहां एक फैन ने फिल्म को दोबारा थिएटर में रिलीज करने की बात कही थी।

मैं खुद इसे दोबारा बड़े पर्दे पर देखना चाहती हूँ

इस पर श्रद्धा ने जवाब देते हुए कहा था, 'मुझे लगता है ये बहुत ही ब्रिलियंट आइडिया है। मैं प्रोड्यूसर्स को ये जरूर सजेस्ट करूंगी, क्योंकि मैं खुद भी इसे दोबारा बड़े पर्दे पर देखना चाहती हूँ।'

ओटीटी पर नहीं है फिल्म

दिलचस्प बात ये है कि 'आशिकी 2' फिलहाल किसी भी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध नहीं है, जिससे इसकी थिएटर में दोबारा रिलीज की डिमांड और भी बढ़ गई है। हालांकि, अभी तक मेकर्स की तरफ से इसे दोबारा सिनेमाघरों में लाने को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।



अपनी अगली फिल्म में अहान पांडे को कास्ट कर सकते हैं आर्यन खान?

अहान पांडे ने फिल्म 'सैयारा' से बॉलीवुड में बतौर अभिनेता डेब्यू किया। वहीं शाहरुख के बेटे और निर्देशक आर्यन खान ने 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से निर्देशन में कदम रखा। क्या आर्यन खान की आने वाली किसी फिल्म में अहान पांडे काम कर सकते हैं?

क्या साथ काम करेंगे

अहान और आर्यन? अहान पांडे और शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान, दोनों ने साल 2025 में मनोरंजन की दुनिया में कदम रखा। जहां अहान ने फिल्म 'सैयारा' से बतौर अभिनेता अपना धमाकेदार डेब्यू किया। वहीं आर्यन ने नेटफ्लिक्स सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के जरिए निर्देशन में सफलता हासिल की। तो क्या अब दोनों एक साथ काम करेंगे?

बचपन की यादें और यशराज

हाल ही में एक इंटरव्यू में अहान ने आर्यन के साथ अपने खास रिश्ते के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि वे बचपन के दोस्त हैं। अहान ने एक मजेदार किस्सा भी शेयर किया। दरअसल, आर्यन स्कूल से सीधे अहान के घर आ जाते थे। वह अहान-माना-पिता (शाहरुख और गौरी खान) से मिलने से पहले अहान के घर वक्त बिताते थे। हालात, ऐसी थी कि खुद शाहरुख खान अहान को फोन करके पूछते थे कि आर्यन घर क्यों नहीं आए?

क्या साथ काम करेंगे

आर्यन और अहान? घर अहान से पूछा गया कि क्या वह भविष्य में आर्यन के निर्देशन में काम करेंगे, तो उन्होंने कहा, 'वे दोनों एक



बेहतरीन निर्देशक-अभिनेता की जोड़ी बन सकते हैं। अहान का मानना है कि उनके बीच एक 'वास्तविक बंधन' है, इसलिए साथ काम करना काम जैसा नहीं लगेगा। बचपन की दोस्ती की वजह से दोनों एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह समझते हैं।

अहान के प्रोजेक्ट्स

अपनी पहली फिल्म 'सैयारा' की बड़ी सफलता के बाद, अहान के पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। 'सैयारा' के बाद अहान पांडे एक बार फिर से मोहित सूरि की अगली फिल्म में काम करेंगे। इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म में अहान के साथ अनित पट्टा नजर आएंगी। इसे यशराज फिल्म्स बना रहा है। इसके अलावा अहान निर्देशक अली अब्बास जफर के साथ भी एक फिल्म में काम कर रहे हैं। यह एक एक्शन-रोमांस ड्रामा फिल्म होगी। वहीं, आर्यन खान ने अपनी पहली सीरीज की सफलता के बाद अभी तक अपने अगले प्रोजेक्ट का प्लान नहीं किया है।

हमारी शादी में गौरव और मैं बराबर हूँ

टीवी, फिल्में और ओटीटी पर अपनी यादगार भूमिकाओं से पहचान बनाने वाली कृतिका कामरा हाल ही में शादी के बाद काम कर लौट आई हैं। पिछले दिनों जाने-माने वीजे और क्रिकेट होस्ट गौरव कपूर के साथ अपने सादगी भरी शादी को लेकर चर्चा में रहने वाली कृतिका इन दिनों ओटीटी की वेब सीरीज 'मटका किंग' से खबरों में हैं। इस लुकफाट में वे अपने काम के अलावा अपनी शादी और शादी के बाद होने जैजनेजों जैसे मुद्दों पर दिल खोलकर बात करती हैं

दोस्ती शादी को सरल बनाती है

कृतिका बताती हैं कि उनके प्यार को शादी की मजिल तक पहुंचाने में उनके बीच की दोस्ती का बड़ा हाथ रहा। वे कहती हैं, 'मुझे लगता है कि दो पार्टनर के बीच दोस्ती एक ऐसी चीज है, जो दोनों के रिश्ते को सरल बनाती है। वो हमारे बीच शुरू से ही थी। उसके अलावा हम दोनों ही एक-दूसरे की निजता की इज्जत करते हैं। हमारे काम की, हमारे सफर की। मेरी तरह गौरव भी मुंबई से नहीं हैं। हम दोनों ही बाहर से आए और हमने अपनी जगह बनाई, तो हम एक-दूसरे से रिलेट कर पाते हैं। गौरव और

मैंने दोनों ने यंग एज से काम करना शुरू कर दिया था। उन्होंने जिस इज्जत और मेहनत से अपना मुकाम बनाया है, मैं उसकी बहुत कद्र करती हूँ। मुझे पता है कि आपको किस तरह से अपने देवदूत को बरकरार रखते हुए समझौते भी करने होते हैं। हम अपने वर्क एथिक्स पर बहुत ध्यान देते हैं। हम दोनों ही बहुत शांत और सीधे साथ में करना पसंद करते हैं, पर अपने-अपने काम को लेकर हम डेडिक्जुअल हैं।'

घर का काम मिल-जुलकर करते हैं

अपने होम मैनेजमेंट के बारे में कृतिका कहती हैं, 'हम लोग सालों से मुंबई में अकेले रहते आए हैं, तो घर चलाना गौरव को भी आता है और मुझे भी। अब जैसे मेरी सीरीज के प्रमोशन के दौरान गौरव का आईपीएल चल रहा था, तो उनकी शाम की शिफ्ट थी। उस दौरान लंब में क्या होगा, वो देख लेंगे। जो जिन वक्त वे घर पर होते हैं, वे खेत लेते हैं और हम मिल-जुलकर काम करते हैं। हम दोनों ही खाना पकाना जानते हैं, ये अलग बात है अभी बनाते नहीं हम। मगर ये सच है कि हमारे रोल ट्रेंडिंगनी डिफाइन नहीं हैं। अब जैसे मेरी मम्मी भी वर्किंग वुमन थीं और उन्हें घर और ऑफिस के दोनों काम करने पड़ते थे। मगर मैं घर का खयाल उन दिनों रखती हूँ, जिन दिनों मैं घर पर होती हूँ। घर चलाना मेरी अकेले की जिम्मेदारी नहीं है। गौरव भी सामान रूप से पार्टिसिपेट करते हैं।'

जब दिल और दिमाग ने कहा, तब शादी की

कृतिका और गौरव लंबे समय से एक-दूसरे को जानते थे। फिर बात शादी तक कैसे पहुंची? इस सवाल पर वे कहती हैं, 'मुझे मैरिज इंडस्ट्रियुशन पर हमेशा से बहुत गहरा विश्वास रहा है और मैंने इसे काफी हलके में नहीं देखा। मुझे हमेशा से लगा था कि मेरा दिल और दिमाग जब दोनों हां बोलेंगे, तो मैं शादी के लिए तैयार समझूंगी खुद को। हर लड़की को इसी तरह से सोचना चाहिए। हम लोग शादी करने के लिए नहीं मिले थे, मगर फिर धीरे-धीरे हम एक-दूसरे को जानने लगे। मैंने गौरव की कई छोटी-छोटी बातें नोट कीं।'

तेज गर्मी में बूफोन लुक चुनोतीपूर्ण

टीवी से ओटीटी की दुनिया में आई कृतिका कहती हैं, 'टीवी छोड़े हुए मुझे काफी समय हो गया है, मगर मैंने टीवी पर जितना भी काम किया है, यादगार रोल किए। ओटीटी की मेरी जमीन तांडव से शुरू हुई थी। उसके बाद मुझे कई बड़े और अच्छे डायरेक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिला। कई बार ऐसा भी हुआ कि वो उनकी पहली वेब सीरीज थी। जैसे ये नाराज मजलू जी की पहली सीरीज है। अपनी ओटीटी की जमीन को

लेकर मैं बहुत खुश हूँ।' अपनी नई सीरीज मटका किंग में कृतिका 60-70 के दशक के लुक में हैं। उनका कहना है कि मेकअप को सेट करने में बहुत वक्त लगता था। बकील कृतिका, 'इससे पहले कई सीरीज में मैं नो मेकअप लुक में भी रही हूँ, पर इस रोल में सिवटीज के लुक में सजने - सवारने के पूरे मौके थे, तो मजा भी खुब आया,

मगर इस लुक के लिए मुझे सेट पर दो घंटे पहले आना पड़ता था। मुझे याद है कि हम रेसकोर का सीन शूट कर रहे थे, जिसमें मेरा हेयरस्टाइल बूफोन लुक था। उस लुक में सिर पर एक पफ बनाया पड़ता है। उस पर मैंने हेड भी पहनी थी और हाथों में ग्लज भी। पीक गर्मी में इस लुक के साथ शूट करना बहुत ही चुनौतीपूर्ण था।



महंगाई और भीषण गर्मी की दोहरी मार : राजनांदगांव में पारा और गैस के दाम दोनों आसमान पर

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

एक ओर प्रकृति का प्रकोप और दूसरी ओर आर्थिक बोझ—राजनांदगांव के नागरिक वर्तमान में इसी दोहरी मार से जूझ रहे हैं। जहां एक ओर राजनांदगांव का तापमान न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पिछले दिनों विजय के सर्वाधिक गर्म क्षेत्रों में दर्ज किया गया, वहीं दूसरी ओर व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में आई ऐतिहासिक वृद्धि ने आम जनजीवन और व्यापारियों की कमर तोड़ दी है।

गैस कीमतों में ऐतिहासिक 'हाई जंप'

IOCL द्वारा जारी नवीनतम दरों के अनुसार, 1 अप्रैल 2026 और 1 मई 2026 के बीच की तुलना करें तो व्यावसायिक सिलेंडर की कीमतों में जो उछाल आया है,



वह एलपीजी के इतिहास में संभवतः पहली बार देखा गया है।

सबसे गर्म रहा राजनांदगांव

आर्थिक मोर्चे पर लगी इस आग के साथ-साथ भौगोलिक स्थिति भी चिंताजनक है। पिछले दिनों राजनांदगांव में

तापमान के जो आंकड़े सामने आए, उन्होंने पूरे विजय को चौंका दिया। जिले का तापमान रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचते हुए दुनिया के सबसे गर्म स्थानों की सूची में शीर्ष पर रहा। भीषण लू और तपती धूप के कारण दोपहर में सड़कें सूखी हो रही हैं, जिससे स्थानीय व्यापार पहले ही प्रभावित था, और अब गैस की कीमतों ने लागत और बढ़ा दी है।

व्यापारियों में हाहाकार और जन-असंतोष

व्यावसायिक सिलेंडर की कीमतों में करीब 43% की यह वृद्धि मध्यमवर्गीय व्यापारियों के लिए किसी झटके से कम नहीं है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि लागत में इतनी बड़ी वृद्धि के बाद खाद्य सामग्री के दाम बढ़ाना उनकी मजबूरी हो

हमारे बजट को पूरी तरह बिगाड़ दिया
"इतनी भीषण गर्मी में काम करना पहले ही मुश्किल है, ऊपर से गैस के दामों में इस तरह की वृद्धि ने हमारे बजट को पूरी तरह बिगाड़ दिया है। यह आम आदमी के साथ-साथ व्यापारियों के लिए भी असहनीय है।"

आकाश साहू, स्थानीय व्यवसायी।

महिलाओं और पुरुषों को महंगाई के आग में झोंका

महतारी योजना में दिये जा रहे 1000 जिनमें 500 पहले ही मिल रहे पेशन को लेकर अर्थात् 500 का झुनझुना के बदले सारे देश की महिलाओं और पुरुषों को महंगाई के आग में झोंका गया।

राजेश गुप्ता "चम्पू" पूर्व पार्षद वरिष्ठ कांग्रेसी नेता।

कीमतों में वृद्धि, पूरे देश में हाहाकार

एक दिन में 43% की कीमतों में वृद्धि को कांनू इस असंवैधानिक कृत्य पर रोक लगावे, इससे पूरे देश में हाहाकार मचने वाला है।

संतोष पिछे नेता प्रतिपक्ष निगम राजनांदगांव

जाएगी, जिसका सीधा असर आम जनता की जेब पर पड़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि एलपीजी के

इतिहास में एक महोने के भीतर 1000 के करीब की वृद्धि पहले कभी नहीं देखी गई। यह स्थिति न केवल स्थानीय बाजार

बल्कि पूरे प्रदेश की चुनौतीपूर्ण संकेत है।

मुख्य तुलनात्मक आंकड़े

प्रोडेंट (Non-Domestic) 1 अप्रैल 2026 की दर 1 मई 2026 की दर वृद्धि (रुपयों में)
19Kg सिलेंडर 2322.00 से 3315.50
कीमत में वृद्धि 993.50

47.5Kg सिलेंडर 5801.00 से 8285.00
कीमत में वृद्धि 2484.00

19Kg Nano CT 255 1.00 से 3469.00
कीमत में वृद्धि 918

एक ही महोने के अंतराल में 19 किलो वाले व्यावसायिक सिलेंडर पर लगभग 993 की भारी वृद्धि ने होटल, रेस्टोरेन्ट और छोटे रेहड़ी-पटरी

वालों के सामने संकट खड़ा कर दिया है। हालांकि, राहत की बात केवल इतनी है कि घरेलू उपयोग वाले 14.2 किलो के सिलेंडर की कीमत

996.50 पर स्थिर बनी हुई है।

हेमंत ओस्तवाल के तीखे तेवर : 10 करोड़ के डामरीकरण में भ्रष्टाचार का आरोप, महापौर यादव को दी खुली चुनौती!

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

नगर निगम की कार्यप्रणाली और सत्तापंथ के खिलाफ पूर्व पार्षद एवं शहर कांग्रेस के पूर्व महामंत्री हेमंत ओस्तवाल ने मोर्चा खोल दिया है। 1 मई 2026 से शुरू हो रहे 'युशासन ल्यूहार' के बीच ओस्तवाल ने निगम प्रशासन और महापौर मधुसूदन यादव पर 10 करोड़ रुपये की सड़क डामरीकरण योजना में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और बंदरबांट का सनसनीखेज आरोप लगाया है।

महापौर को ललकारा: "हिम्मत है तो सार्वजनिक करें सूची"

ओस्तवाल ने कई लाइव में कहा कि शासन द्वारा 13 सितंबर 2024 को निगम सीमा की 41 सड़कों के डामरीकरण हेतु स्वीकृति प्रदान की गई थी। उन्होंने महापौर मधुसूदन यादव को खुली चुनौती देते हुए कहा कि यदि वे जनता के प्रति जागबंद हैं, तो उन 41 सड़कों का विवरण सार्वजनिक करें। "महापौर हिम्मत जुटाएं और बताएं कि किस वार्ड में, किसके घर से किसके घर तक सड़क बनो है और



कितनी सड़कें अभी भी फाड़लों में दफन हैं।"

कलेक्टर से हस्तक्षेप की मांग:

'युशासन' के नाम पर हो दिखावा

जिले के कलेक्टर जितेंद्र यादव को लिखे पत्र में ओस्तवाल ने मांग की है कि युशासन ल्यूहार की शुरुआत शहर की जनता को गल्ले से मुक्ति दिलाकर की जाए। उन्होंने मांग की है कि निगम आयुक्त और कार्यालयन अभिनेता से संबंधित नोटशीट और निविदा (टेंडर)

फाइलें तलब की जाएं। नियम विरुद्ध तरीके से टेकेदारों को लाभ पहुंचाने वाले अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई हो। डामर की कमी का बहाना बनाने वाले टेकेदारों को तत्काल काली सूची में डाला जाए।

भ्रष्टाचार का 'मॉडल' बनी जी.ई. रोड!

ओस्तवाल ने गंभीर आरोप लगाया कि भाजपा कार्यालय (जी.ई. रोड) के सामने पीडब्ल्यूडी की सड़क पर बिना किसी वैध

स्वीकृति के डामरीकरण करा दिया गया। उन्होंने इसे सत्ता का दुरुपयोग और नियम विरुद्ध कार्य का सबूत बड़ा प्रमाण बताया। उन्होंने सवाल उठाया कि जब भीषण गर्मी में काम हो सकता है, तो बाकी सड़कों का काम क्यों अटका है? क्या निगम प्रशासन और महापौर टेकेदारों के सामने 'पंपु' हो चुके हैं?

सातगांव व कमीशनखोरी का आरोप

पूर्व पार्षद ने सीधा हमला करते हुए कहा कि 10 करोड़ के इस खेल में अधिकारियों और टेकेदारों के बीच गहरी सातगांव है। उन्होंने आशंका जताई कि शायद मोटी कमीशनखोरी के चलते ही टेकेदारों पर लगाम नहीं कसी जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि मई माह में गुणवत्तापूर्ण सड़कें नहीं बनीं और शेष भुगतान नहीं रोक गया, तो इसे भ्रष्ट निगम प्रशासन की मिलीभगत माना जाएगा।

अब देखा जा रहा है कि 'युशासन ल्यूहार' के इस दौर में जिला प्रशासन हेमंत ओस्तवाल के इन तीखे सवालों और भ्रष्टाचार के संगीन आरोपों पर क्या रुख अपनाता है।

ईडी की टीम ने केमिकल फैक्ट्री संचालक के घर और फैक्ट्री में की छापामार कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-दुर्ग

भिलाई दुर्ग में एक बार फिर ईडी ने दस्तक दी है। इस बार ईडी की टीम पुरानी भिलाई क्षेत्र में केमिकल फैक्ट्री के संचालक विठ्ठल पुरम निवासी गोविंद मंडल के घर और फैक्ट्री में टीम ने छाप मारी है। सुबह 6 बजे दो टीम यहां पहुंची हैं, जिसमें एक टीम भिलाई-3 स्थित विठ्ठलपुरम के प्लॉट पहुंची है। दोपहर तक यहां जांच करने के बाद ईडी की टीम करीब डेढ़ बजे यहां से गोविंद मंडल की फैक्ट्री में पहुंची।

इधर घर से ईडी की टीम ने कुछ दस्तावेज जब्त भी किए। बताया जा रहा है कि यह पूरा मामला जमीन खरीदी और अन्य संदिग्ध बताया रहा है। जिसमें तीन साल पहले भिलाई-3 के जीई रोड स्थित वसुंधरा नगर क्षेत्र में लगभग करीब 2 करोड़ की जमीन खरीदी गई थी साथ ही लगभग 5 करोड़ रुपये की राशि ब्याज पर संचालित करने की भी खबर है। लेकिन



शुरुआती मामला मनी लॉन्ड्रिंग, वित्तीय अनियमितता एवं संपत्ति में संदिग्ध लेनदेन से संबंधित प्रतीत हो रहा है। इधर गोविंद मंडल की पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की करीबियां भी बताई जा रही है।

माँ मंकिनम्मा देवी महोत्सव में उमड़ी श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के माहौल में जुटे जनप्रतिनिधि और श्रद्धालुगण



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

इंद्रजीत सिंह छोटू ने दी बधाई व शुभकामनाएँ

खुसीपार के बालाजी नगर में आयोजित श्री श्री मंकिनम्मा देवी महोत्सव (सम्बरातु) में इंद्रजीत सिंह छोटू ने शामिल होकर क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। कार्यक्रम में भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस

अवसर पर देवेंद्र यादव, पार्षद श्याम सुंदर, राकेश श्रीवास्तव सहित सवं समाज कल्याण समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजनों, माताओं-बहनों और युवा संधियों की बड़ी सहभागिता रही। इंद्रजीत सिंह छोटू ने माता रानी

से सभी के सुख, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में एकता, आस्था और सेवा के सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। पूरे आयोजन ने भक्ति, श्रद्धा और सामाजिक समरसता का सुंदर संदेश दिया।

यौन उत्पीड़न मामला : 6 आरोपी गिरफ्तार, तीन नाबालिग भी शामिल

नई दृष्टिबिंदु / अंबिकापुर/सीतापुर

सरगुजा जिले के सीतापुर थाना क्षेत्र में सामूहिक दुष्कर्म के गंभीर मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें 3 वयस्क और 3 विधि से संघर्षरत बालक शामिल हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ कड़ी धाराओं में मामला दर्ज कर

न्यायिक प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार, 24 अप्रैल को पीड़िता अपनी सहयोगियों के साथ एक शादी समारोह में गई थी। वापस लौटते समय आरोपियों ने उसे जबरन मोटरसाइकिल में बैठाकर सुनसान स्थान पर ले गए और दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता उसी रात पर पहुंची और अगले दिन परिजनों को घटना की जानकारी दी।

इसके बाद 26 अप्रैल को सीतापुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

प्रकरण दर्ज होने के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया। पड़ताछ के दौरान पीड़िता ने अपनी एक सहेली के साथ भी इसी प्रकार की घटना होने की जानकारी दी, जिसके बाद दूसरी पीड़िता का भी मेडिकल परीक्षण कराया गया। परिजनों द्वारा

प्रारंभिक मेडिकल रिपोर्ट पर असहमति जताने के बाद दोनों पीड़िताओं का पुनः परीक्षण जिला अस्पताल अंबिकापुर में कराया गया। मेडिकल रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने 30 अप्रैल तक कार्रवाई करते हुए कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया। तीन वयस्क आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है, जबकि तीन नाबालिगों को बाल न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

सड़क सुरक्षा में दुर्ग पुलिस की बड़ी सफलता : चार माह में 44 मौतें घटीं, दुर्घटनाओं में 28.57% कमी



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सड़क सुरक्षा को लेकर दुर्ग यातायात पुलिस के लगातार प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। वर्ष 2026 के पहले चार माहों (जनवरी से अप्रैल) में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। पिछले वर्ष की तुलना में इस अवधि में 44 लोगों की जान बची है, जो लगभग 28.57 प्रतिशत की कमी को दर्शाता है।

यातायात पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बिना हेलमेट, बिना सीटबेल्ट और शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है। साथ ही,

जन-जागरूकता कार्यक्रमों के जरिए लोगों को यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित किया गया है।

चालकों पर कार्रवाई

जनवरी से अप्रैल 2026 के बीच 26,803 वाहन चालकों पर बिना हेलमेट कार्रवाई की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में काफी अधिक है। वहीं, शराब पीकर वाहन चलाने वाले 1,087 चालकों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई, जो वर्ष 2025 की तुलना में करीब 298 प्रतिशत अधिक है।

जिले के 7 प्रमुख चौकों को सुरक्षा चौक के रूप में चिह्नित किया गया है, जहां दो पालियों में नियमित चेकिंग और समझाव अभियान चलाया जा रहा है। इससे यातायात नियमों के

पालन में सुधार देखा गया है। यातायात पुलिस द्वारा 330 जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर करीब 96,660 लोगों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। इसके साथ ही सड़क सुरक्षा समिति की बैठकों के माध्यम से ब्लैक स्पॉट और ग्रे स्पॉट पर सुधार कार्य भी कराए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यातायात पुलिस, थाना स्टॉफ और पेट्रोलिंग टीमों के संयुक्त प्रयासों से यह उपलब्धि हासिल हुई है। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वाहन चलाते समय हेलमेट और सीटबेल्ट का अनिवार्य उपयोग करें तथा शराब सेवन कर वाहन न चलाएं। तमक सड़क दुर्घटनाओं को रोकें, ताकि सड़क जा सकें।

GOSWAMI FLEX PRINTING
ADVERTIZER
मिलाई मैं सबसे सस्ता, सबसे अच्छा
• Hoardings • Flex Banner • Vinyl Printing
• One Way Vision • Glow Sign Board
93290-13334, 74711-15735
goswamiflex@gmail.com
Address : 3rd Floor Shop No.1, Arora Tower, M.C. Market

महत्वपूर्ण सूचना! हमारे पाठकों के लिए
नई दृष्टिबिंदु
सांध्य देनिक नई दृष्टिबिंदु का E-Paper भी तैयार है।
प्रतिदिन शाम 4:00 बजे पेपर नई दृष्टिबिंदु के गुगल के साइट Nayi Drishtibindu पर अपलोड हो जाता है। सभी पाठकों से आग्रह है कि प्रतिदिन शाम 4:00 बजे साइट पर Nayi Drishtibindu E-Paper सर्व कर ई पेपर देख सकते हैं।
नई दृष्टिबिंदु
NAYI DRISHTIBINDU E-PAPER
शाम 4 बजे से पढ़ें

Baked by Suhani
Premium Homemade Cakes & Desserts
baked.bysuhani
posts, message
Suhani Singh
Premium Homemade Cakes & Desserts
Serving Bhilai & Durg
DM for Order
Followed by _s_andeep
Follow Message
Birthday Cakes
Anniversary Cakes
Custom Theme Cakes
Serving Bhilai & Durg
Order Now:
@baked.bysuhani
MO.6263734520

"यह समाचार पत्र आलोक तिवाारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवाारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवाारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय द्रष्टव्य प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उत्तई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवाारी, मो. 74154-69100